Maratha Vidya Prasarak Samaj's

Arts, Science and Commerece College, Ozar (MIG)

Course Outcomes

Name of the department : Hindi

Class	**Name of the Course: Semester: (Paper):**	**Name of the Teacher**	**Outcomes**
M.A. I	सामान्य स्तर:प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य(आमिर खुसरो और जायसी) 10591	श्रीमती मनीषा मछिन्द्र चिने	1.हिन्दी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य परवर्तियो की जानकारी देना. 2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य .य परिच का कराना (3 प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्यकला से छात्रों अवगत कराना. (4 छात्रों को हिन्दी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना. (5 छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिन्दी भाषा से अवगत कराना. (6 छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समिश्रात्मक दृष्टी विकसित करना.
M.A.I	विशेष स्तर: अधुनिक हिंदी कथा साहित्य(उपन्यास और कहानी) 10592	श्रीमती जयश्री जगन्नाथ पवार	1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना 2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना 3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना 4. रचना के अस्वादन एवं समीकरण की क्षमता विकसित करना

M.A.I	विशेष स्तर :भारतीय साहित्यशास्त्र(10593)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. छात्रों को साहित्यशास्त्र का परिचय देना 2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना 3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिधान्तों का ज्ञान कराना 4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना 5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना 6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिधान्तों में साम्यवैषम्य एवं - उसके कारणों का ज्ञान कराना 7. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्त्व अवगत कराना 8. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टी विकसित करना
M.A.I	विशेष स्तर :विशेष साहित्यकार : कबीर(10594)	श्रीमती जयश्री जगन्नाथ पवार	1) छात्रों को तत्कालीन परिस्थीतीयों के (साहित्यिक,सांस्कृतिक,दार्शनिक) परिप्रेक्ष्य में कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिन्दी को उनके प्रदेय की जानकारी देना. 2) छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना. 3) छात्रों को कबीर की काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना .
M.A.I	सामान्य स्तर: मध्ययुगीन हिंदी	श्रीमती मनीषा मछिन्द्र चिने	हिन्दी के आदिकालीनभक्तिकालीन तथा , , रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों कीजानकारी देना.

	काव्य(सूरदास ,बिहारी और भुषण) (20591		2 (तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना. 3 (पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समिश्रा की क्षमता बढाना.
M.A.I	विशेष स्तर: आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध(20592)	श्रीमती जयश्री जगन्नाथ पवार	1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्त्विक स्वरूप का परिचय देना 2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना 3. विधा विशेष के तात्त्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझनेएवं मूल्याकंन करने की क्षमता बढ़ाना 4. रचना के अस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना
M.A.I	विशेष स्तर: पाश्चात्य साहित्य शास्त्र(20593)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना. 2) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम परिचय देना. 3) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांताओं का ज्ञान कराना . 4) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र कराना समिक्षा का महत्त्व अवगत कराना. 5) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांताओं में साम्यवैषम्य एवं - .उसके करनों का ज्ञान कराना 6) छात्रों को नई समिक्षा के सिद्धांताओं का ज्ञान कराना. 7) छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय कराना. 8) साहित्यशास्त्रिय अध्ययन के द्वारा

			छात्रों में समिक्षात्मक दृष्टी विकसित करना.
M.A.I	विशेष स्तर वैकल्पिक : हिंदी उपन्यास(20594)	श्रीमती जयश्री जगन्नाथ पवार	1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना 2. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना 3. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना 4. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना 5. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना 6. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना 7. छात्रों में उपन्यास साहित्य का अस्वादनअध्ययन एवं मूल्यांकन , की क्षमता बढ़ाना 8. उपन्यास विधा की ओर सर्जक , अनुवाद एवं शोध की ,समीक्षा आदि

H. O. D.

Department of Hindi